PAGE:
DATE: / /

FOR THE MONTH OF APRIL

STD: VIII SUB: II Lang Hindi

पद्य : कदम मिलाकर चलना होगा

मौखिक प्रश्नोत्तर

क. कवि विपदाओं में मनुष्य से एक साथ मिलकर आगे बढ़ने का आग्रह कर रहा है।

ख. कवि ने जीत को क्षणिक और हार को दीर्घकालीन माना है।

ग. मानव जीवन काँटो से सुसज्जित है। काँटे दुखों का प्रतीक है अर्थात जीवन दुखों से भरा पड़ा है।

घ. छात्र खुद से करेंगे।

लिखित प्रश्नोत्तर

क. मानव जीवन बाधाओं और दुखों से भरा हुआ है इनका सामना करने के लिए उत्साह और साहस की आवश्यकता होती है जो कि किसी के साथ जुड़ने पर मिलते है। इसलिए कवि कदम मिलाकर चलने के लिए कह रहा है।

ख. उन्नत मस्तक रखने के लिए दुखों, विपत्तियों, घृणा, अपमान, अकेलापन आदि बाधाओं से गुजरना होगा।

(ग) कवि अपना तन-मन परहित में अर्पित करेगा। कवि का मानना है कि उसका जीवन भले ही प्रेम रहित हो परंतु वह दूसरों की प्रसन्नता में प्रसन्न रहेगा। परोपकार हेतु वह अपना बलिदान देगा।

(घ) कदम मिलाकर चलना होगा' कविता में अटल बिहारी बाजपेयी ने राष्ट्रहित के लिए देशवासियों का आह्वान किया है। उन्नति और प्रगति के मार्ग पर एक-दूसरे के साथ मिलकर अपना सब कुछ न्योछावर करना होगा और सबको मिलकर आगे बढ़ना होगा।

5 मानव के जीवन में अनेक विपत्तियाँ आती हैं। अपने सर्वस्व त्याग और बलिदान के कारण ही मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बना सकता है। सभी विपत्तियों से गुजरकर और अपने जीवन की आहुति देकर मातृभूमि की रक्षा करना चाहिए।

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए

क. ज्वाला में जलना होगा।
ख. जीत को
ग. मानव जीवन

भाषा - ज्ञान पर्यायवाची

1. झंझावतों - तूफानों
2. बागों - उद्यानों

PAGE:
DATE: / /

3. तम - अंधकार
4. ललाट - मस्तक
5. मार्ग - पथ

विलोम लिखिए

1. उजियारा × अँधियारा
2. जीत × हार
3. अपमान × सम्मान
4. घृणा × प्रेम
5. आकर्षक × अनाकर्षक
6. फूल × काँटा
7. सफल × असफल

तत्सम रूप

1. माथा - मस्तक
2. हँसी - हास्य
3. ऊँचा - उच्च
4. हाथ - हस्त
5. काँटा - कंटक
6. सिर - शीश

विशेषण

1. क्षण - क्षणिक
2. हर्ष - हर्षित
3. अर्पण - अर्पित
4. पीड़ा - पीड़ित
5. बाधा - बाधित

PAGE:
DATE:

संज्ञा शब्दों के लिए विशेषण

1. घटाएँ - घोर
2. बलिदानों - असंख्यक
3. मस्तक - उन्नत
4. सोना - उभरा
5. प्यार - पूत
6. ध्येय पथ - अमर

PAGE:
DATE: / /

गद्य : खुले आकाश में

मौखिक प्रश्नोत्तर

क. लेखक के घर के दीवार या स्नानघर के कोनों में चिड़ियाँ घोंसले बना लेती थी तब शारकें, उनको बिखेर देती थी। इसी कारण घर के पीछे हलचल मची रहती थी।

ख. लेखक की पत्नी ने घोंसले के नीचे धरती पर एक अंडा टूटा पड़ा देखा था। उसे लगा यह शारकों का ही काम है। इसलिए वह उसे नाराज थी।

ग. लेखक ने पत्नी को बाजू पकड़कर इसलिए रोका (मना) क्योंकि वह चिड़ियों को सारकों से बचाने जा रही थी। लेखक चाहते थे कि चिड़ियाँ अपनी लड़ाई स्वयं लड़े।

घ. लेखक यह संदेश देता है कि हमें अपनी लड़ाई स्वयं लड़नी चाहिए। मुकाबला कमजोर आदमी को भी शक्तिशाली बना देता है।

लिखित प्रश्नोत्तर

क. लेखक के शोधपत्र का सार यह था कि वैदिक काल के काल के आर्य लोगों से लेकर आज तक सप्तसिंधु अर्थात पंजाब के लोगों को विदेशी हमलावरों और प्रकृति की निर्दयी शक्तियों से युद्ध करना पड़ा है। तब जाकर वे अपने - आपको

इस धरती पर (स्थापित) स्थापित कर सके है।

ख. शारकें ताकतवर थीं और चिड़िया कमजोर थी, लेकिन चिड़िया बिना डरे मुकाबले में डटे हुई थी। चिड़िया और चिड़ा अपने बच्चे की रक्षा के लिए घोंसले के आगे बैठे थे। शारकों ने जब हमला किया, तो चिड़िया ने गुस्से से हमले का जवाब दिया और अपने बच्चों की रक्षा की।

ग. लेखक की पत्नी का चिड़ियों के लिए दाने, रोटी के टुकड़े आदि डालना, उन्हें शारकों से बचाने के लिए व्याकुल होना आदि से पता चलता है कि वे पक्षियों से प्रेम करती थी।

घ. कहानी के अंत में चिड़िया का बच्चा जब घोंसले से बाहर निकलकर आया तो सभी चिड़ियाँ उसे उड़ना सिखाने लगी। बच्चे ताकतवर बने और पूरे जोर से खुले आकाश में उड़ गए।

ङ. लेखक - * लेखक व्यवहारिक है।
* वे कटु सच्चाई को जानते है।
* उनका मानना है, स्वयं प्रयास करने पर ही जय प्राप्त हो सकती है।

लेखक की पत्नि - * वे संवेदनशील है।
* दूसरो की सहायता करने तत्पर रहती है।
* पक्षियों से प्रेम करती है।

PAGE:
DATE: / /

हाँ या नहीं में उत्तर लिखिए:

(i) नहीं
(ii) हाँ
(iii) हाँ
(iv) नहीं
(v) हाँ

सही विकल्प चुनकर (✓)

(क) साँवला रंग, पीली-नुकीली चोंच
(ख) मुसीबतों से मुकाबला करनेवाले लोगों का

1. विलोम शब्द

1. निर्दयी × दयालु
2. युद्ध × शांति
3. वाद × प्रतिवाद
4. बुराई × भलाई

2. युक्तवाले शब्द

फ़र्ज़, ज़ुल्म, बाज़ू, तूफ़ान, कमज़ोर, तेज़ी, ज़ोरदार

3. उपसर्ग

सम् - संयोग, संवाद, संलग्न, संदेश, संदिग्ध

प्रति - प्रतियोगिता, प्रतिदिन, प्रतिदर्श, प्रतिकार, प्रतिबद्ध

4. संज्ञा शब्दों के लिए विशेषण

1. विस्तृत आकाश
2. निर्दयी शक्ति
3. मासूम चिड़िया
4. फुरतीली शारकें

5. शब्द युग्म

1. एक - एक तिनका - तिनका
2. दौड़ते - भागते, घिसा - पिटा
3. उदय - अस्त, इधर - उधर
4. चाय - वाय, बीमार - वीमार

PAGE:
DATE: / /

FOR THE MONTH OF JUNE

STD: VIII SUB: II lang Hindi

पाठ : लाख की चूड़ियाँ
पद्य : रंग जाती एक वस्तु
लेखन कौशल : चित्र वर्णन (सामान्य)
अनुच्छेद : भारतीय समाज में नारी की बदलती तस्वीर
व्याकरण : भाषा लिपि वर्ण विचार, शब्द विचार, संधि
पत्र : पीने के पानी की व्यवस्था (P.N.213)
शब्द भण्डार : पर्यायवाची (1-20)
विलोम (1-20)

पाठ: लाख की चूड़ियाँ

I शब्दार्थ (सभी पृष्ठ से)

II मौखिक : उत्तर

क. गाँव के सभी बच्चे को काका कहते थे इसलिए लेखक भी उसे 'काका' ही कहता था।

ख. बदलू नीम के वृक्ष के नीचे बैठकर, दहकती भट्ठी पर लाख पिघलाया करता। लाख के मुलायम होने पर उसे सलाख के समान पतला करके चूड़ी का आकार देकर वह उन्हें मुँगेरियों पर चढ़ाकर गोल और चिकना बनाता और उनपर रंग करता।

ग. बदलू का चूड़ियाँ बेचने का 'वस्तु-विनियम' का

तरीका था। वह चूड़ियों को पैसों में नहीं बेचता था। लोग उससे अनाज के बदले चूड़ियाँ ले जाते थे।

घ. बदलू का काम इसलिए बंद हो गया था क्योंकि गाँव - गाँव में काँच का प्रचार हो गया था। सब काम मशीनों से होने लगे थे।

III लिखित - उत्तर

क. लेखक को बचपन में अपने मामा के गाँव जाने का चाव था क्योंकि वह वहाँ से लौटते समय अपने साथ ढेर सारी रंग - बिरंगी लाख की गोलियाँ लेकर आता था।

ख. बदलू को काँच की चूड़ियों से चिढ़ थी क्योंकि यह देखने में अधिक सुंदर होती हैं। इसके कारण लाख की चूड़ियों का धंधा ठप्प हो जाएगा।

ग. बदलू लेखक की बहुत खातिर करता था। वह लेखक के लिए मलाई और आम बचाकर खाने को देता। वह रंग - बिरंगी लाख की गोलियाँ बनाकर लेखक को खुश करता।

घ. बदलू स्वभाव से सीधा था। वह कभी किसी से झगड़ता नहीं था। वह पुरानी सोच का व्यक्ति था। आज भी वस्तु - विनिमय के तरीके से चूड़ियाँ बेचता था। अपने काम में कुशल होने के कारण बदलू थोड़ा जिद्दी भी था।

PAGE:
DATE: / /

शादी - विवाह के अवसर पर यदि वह नाराज हो जाए तो फिर उसे मनाना मुश्किल होता था।

(ङ) बदलू अच्छी कीमत मिलने पर ही चूड़ियाँ बेचता, जब जमींदार साहब ने दस आने मे काँच की चूड़ियाँ खरीदनी चाही तब बदलू ने न कहते हुए चूड़ियों का आखिरी जोड़ा नहीं बेचा।

III सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए

(क) मनिहार
(ख) अधिकतर स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने थी।
(ग) एक वस्तु के बदले में दूसरी वस्तु देना

भाषा ज्ञान

IV. विलोम शब्द लिखिए

(i)	कुरूप	(iv)	अशांति
(ii)	नया	(v)	ग्रामीण
(iii)	वर्तमान	(vi)	कम

2. पुल्लिंग - नीम, आम, पेशा, काँच, अनाज
स्त्रीलिंग - मनिया, चूड़ियाँ, भट्ठी, गोलियाँ, वस्तु

3. अनुस्वार

(i)	विशेषाङ्क	(vi)	पङ्ख
(ii)	रङ्ग	(vii)	पञ्चायत
(iii)	घण्टा	(viii)	एकान्त
(iv)	परन्तु	(ix)	सुन्दर
(v)	खम्भा	(x)	सम्बन्ध

DATE: / /

4. कारक और विभक्ति चिह्न

कर्ता - ने
कर्म - को
करण - से, के द्वारा, के साथ
संप्रदान - को, के लिए (देने के अर्थ में)
अपादान - से, अलग होने के, डरने, तुलना, सीखने के अर्थ में
संबंध - का / के / की, रा / रे / री / ना / ने / नी

वाक्य

अपादान कारक - से

(i) आधे घंटे में ही माँ स्टेशन से घर आ गई। (अलग होना)
(ii) डाल से सभी पत्ते गिर गए।

करण कारक - से

(i) माँ कल रात ट्रेन से आई। (के द्वारा)
(ii) यह सख्त आम तेज चाकू से काटो।

5. गुणवाचक विशेषण

पतला, भारी, अच्छा, लंबा, बड़ी, सीधा
वृद्ध, ग्रामीण, जिद्दी, खतरनाक (Adj 5)

7. वाक्यों में परिवर्तन

(i) बदलू उसी पेड़ के नीचे बैठकर अपना काम करता था।

(ii) उसकी कलाइयों पर लाख की चूड़ियाँ खूब फबती हैं।
(iii) बदलू मेरी खूब खातिर करता है।
(iv) मशीनी युग कितनों के हाथ काट देगा।
(v) गाँव - गाँव में काँच का प्रचार था।

पद्य : रंग जाती एक ऋतु

I शब्दार्थ (सभी पृष्ठ से P.No. 41, 42)

II मौखिक - उत्तर

क. फूल को देखकर कवि का मन संतोष से भर गया।

ख. क्योंकि कवि के अनुसार फूलों को खिलाने और महकाने का श्रेय वसंत ऋतु को ही जाता है।

ग. नन्हे फूल ने कहा —

सुनो,
एक छोटा-सा सत्य तुम्हें सौंपता हूँ
धन्य है वसंत ऋतु, ठीक है।
पर उसकी धन्यता उसकी कमाई नहीं
वह हमने रची है,
हमने!

घ. 'लौ' जीने की तीव्र इच्छा और 'अँधेरा' जीवन की विपरीत परिस्थितियों के प्रतीक हैं।

PAGE:
DATE: / /

लिखित

क. फूलों से उठी सुगंध कवि के नथुनों से होती हुई भीतर मन तक फैल गई। ऐसा लगा जैसे यह सुगंध किसी रेखा के सहारे मन में उतर गई हो।

ख. चारो ओर विविध रंगों के फूलों को देखकर कवि ने अनुभव किया कि जिस तरह बरसात में अनगिनत बूँदे मिलकर बरसती हैं, उसी प्रकार अनेक फूलों ने मिलकर धरती पर रंग ही रंग बिखेर दिए हैं।

ग. फूल ने सूरज की तेज़ किरणों की गरमी अपने कोमल डंठल पर खड़े होकर खिलने के लिए तैयार रहा। यह उसकी मेहनत और सहन है।

घ. फूल ने अथक परिश्रम किया। मिट्टी के अंधेरे से बाहर निकला। धूप, वर्षा, जाड़ा सहकर आकाश से गिरते पाले, ओस में भी साहसपूर्ण खड़ा रहा।

ङ. कवि ने परिश्रम और सच्चाई से परिचित करवाया। यही मूलमंत्र अपनाकर अपने कार्यों से आस-पास के वातावरण को सुंदर बना सकता है।

च. इस कविता के द्वारा कवि संदेश देना चाहता है कि विघ्न - बाधाओं का दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए लगन और परिश्रम से लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए।

PAGE:
DATE: / /

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए

क. क्यारी में रंग बिरंगी फूल देखकर
ख. फूलों ने
ग. उसने फूलों के संघर्ष को नहीं देखा

भाषा ज्ञान

1. समानार्थी

(i). सुगंध (iv) तृप्त
(ii) बरसात (v) अनायास
(iii) जाड़ा (vi) सूरज

2. उपसर्ग

(i) (ऊपर) अधिपति (iv) (नीचे, बुरा) अवगुण
(ii) (निकट, गौण) उपस्थिति (v) (बुरा) अपशब्द
(iii) (सामने) अभिमुख (vi) (सहित) संकल्प

3. विशेषण : रंग-बिरंगे, छोटा-सा, सुगंधित
संतुष्ट, गंभीर, छोटी-छोटी

विशेष्य : फूल, सत्य, हवा, व्यक्ति,
प्रश्न, आँखे

4. क्रिया रूप

बँध जाना, बँधना, बाँध देना, बँधवाना

PAGE:
DATE: / /

5. वाक्यांश

क. दर्शनीय
ख. पराश्रित
ग. दुर्जेय
घ. पर्णकुटी

6.
1. ऋतुराज
2. प्रकृति
3. शृंगार
4. आकर्षक
5. संचार

लेखन कौशल

1. चित्र वर्णन - (सामान्य)

स्वयं लिखने की क्षमता को बढ़ाना।

2. अनुच्छेद - भारतीय समाज में नारी की बदलती स्थिति (P. No. 207)

3. पत्र - पीने के पानी की व्यवस्था (P. No. 213)

4. शब्द भण्डार

पर्यायवाची (1 - 20) P. No. 46

विलोम शब्द (1 - 20) P. No. 49

PAGE:
DATE: / /

व्याकरण :

भाषा लिपि एवं व्याकरण

उत्तर बताइए

(क) भाषा एक माध्यम है जिसके द्वारा भावों तथा विचारों का आदान-प्रदान किया जाता है। भाषा के दो भेद हैं - (i) मौखिक भाषा
(ii) लिखित भाषा

(ग) भाषा की एकरूपता को बनाए रखने के लिए भाषा का प्रयोग किया जाता है।

(घ) जिस भाषा को हम अपने घर में बोलते हैं, वह मातृभाषा कहलाती है।

(ख) बोली, भाषा का क्षेत्रीय रूप है। बोली का मौखिक साहित्य है भाषा का क्षेत्र व्यापक है। भाषा का साहित्य लिखित रूप में होता है।

2.
क. भाषा
ख. हिंदी, अंग्रेजी
ग. उपभाषा
घ. हिंदी
ङ. 22

PAGE:
DATE: / /

3. क. मेवाती — मारवाणी
ख. मगही — भोजपुरी
ग. गढ़वाली — कुमाऊँनी
घ. अवधी — बघेली
ङ. ब्रजभाषा — बुंदेली

4. क. सही
ख. सही
ग. गलत
घ. गलत

5. क – लिपि
ख – देवनागरी
ग. – व्याकरण का अंग
घ – व्याकरण

6. क. रोमन
ख. बांग्ला
ग. देवनागरी
घ. व्याकरण
ङ. साहित्य

वर्ण विचार

उत्तर बताइए

क. जिन वर्णों के उच्चारण में हवा बिना किसी बाधा के मुख से बाहर निकलती है, उसे स्वर कहते हैं।

PAGE:
DATE: / /

ख. वर्णों या ध्वनि चिह्नों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

ग. अनुस्वार का उच्चारण नाक से किया जाता है। (ं) चिह्न जहाँ उच्चारित होता है, उसके पहले वाले वर्ण के ऊपर लगाया जाता है।
जैसे - घंटा, बंदर

अनुनासिक का उच्चारण करते समय हवा मुँह तथा नाक दोनों से निकलती है। इनकी मात्राओं को लिखते समय चंद्रबिंदु (ँ) लगाया जाता है।
जैसी - कुआँ, हँसी

घ. स्वर के तीन भेद हैं - ह्रस्व स्वर, दीर्घ स्वर, प्लुत स्वर।

[Grammar Question & Answer Non-testing]

2.
क. वर्ण
ख. आगत
ग. ह्रस्व
घ. बिंदु

3.
क. अंक, अंग
ख. अँधेरा, अँगूठा
ग. ऑटो, ऑफ़िस
घ. रुचि, रुपया
ङ. रूप, रूठना
च प्राय:, नम:

PAGE:
DATE: / /

4. (क) र्‍ - कार्य, दिनचर्या
(ख) ‍्र - पराक्रम, प्रकाश
(ग) ‍्र - ट्रैक्टर, ट्रेन
(घ) ऋ - कृतज्ञ, तृण

5.
क. 'क वर्ग' से लेकर 'प वर्ग' तक के व्यंजन
ख. श, ष, स, ह
ग. य, र, ल, व

6. क. क्षमा
ख. व्य - व्यवसाय, व्यसन
ग. श्र - श्रवण, परिश्रम
घ. स्त - पुस्तक, सस्ता

7. अनुनासिक, उच्चारण, कंठ, चिह्न, तंत्रियाँ, महाप्राण, व्यंजन, संयुक्ताक्षर, सघोष, स्पर्श

8. क. स्वास्थ्य
ख. उज्ज्वल
ग. उपलब्ध
घ. जाएँ
ङ. कनिष्ठ
च. बीमार
छ. केंद्रीय
ज. नमस्कार
झ. प्रशंसा
ञ. पुरुष

9.

क.	आचार्य	ख.	स्थूल
ग.	अग्रिम	घ.	स्पष्ट
ङ.	संरक्षक	च.	दंडित
छ.	आँगन	ज.	चौंका

10.

क. स् + व् + आ + ग् + अ + त् + अ
ख. द् + उ + र् + ल् + भ् + अ
ग. ल् + आ + ल् + इ + म् + आ
घ. अ + श् + आ + न् + त् + इ
ङ. उ + ज् + इ + य् + आ + र् + अ
च. उ + ज् + ज् + व् + अ + ल् + अ
छ. अँ + ग् + ई, ठ् + ई
ज. र् + आ + घ् + व् + र् + ई + य् + अ

पंचम अक्षर

क वर्ग - पंख, कंघा, जंगल, मंगल
च वर्ग - अंचल, संचय, संजय, खंजन, मृत्युंजय
ट वर्ग - अंडा, कंठ, ठंडा, घंटा, घंटी
त वर्ग - बंद, गंदा, बंधन, दंत, संत
प वर्ग - संभव, अंचभा, नंबर, सांभर, अंबर

DATE: / /

शब्द - विचार

P. No. 40

1.

क. तुर्की
ख. अरबी
ग. चीनी
घ. फ़ारसी
ङ. फारसी
च. फ़ारसी
छ. फ़ारसी
ज. अरबी
झ. तुर्की
ञ. अंग्रेजी
ट. तुर्की
ठ. फ़ारसी

2.

क. क - ii
ख - iii
ग - v
घ - i
ङ. - iv

3.

क. तत्सम
ख. तद्भव
ग. विदेशज
घ. तद्भव
ङ. विदेशज
च. देशज
छ. तत्सम
ज. तद्भव

4.

क. प्रयोग के आधार पर शब्दों को दो भागों में बाँटा गया है - विकारी और अविकारी

PAGE:
DATE: / /

ख. जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल के अनुसार विकार आ जाता है उसे विकारी शब्द कहते हैं, जैसे - लड़का ने, लड़कों ने आदि।
जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल के कारण परिवर्तन या विकार नहीं आता है वे अविकारी होते हैं, जैसे - क्रिया विशेषण, संबंधबोधक आदि।

ग. जो शब्द एक अर्थ विशेष के लिए प्रयुक्त हों, उसे रूढ़ शब्द कहा जाता है, जैसे - पानी, मेज़ आदि।

घ. यौगिक शब्द दो शब्दों के योग से बनते हैं जैसे - प्रधान + मंत्री = प्रधानमंत्री
योगरूढ़ शब्द दो शब्दों के मेल से तो बने हैं, परंतु किसी विशेष अर्थ का बोध करवाते हैं और एक निश्चित अर्थ में रूढ़ हो जाते हैं, जैसे - पंकज।

[Grammar Question & Answer Non-testing]

5.
क. यौगिक
ख. रूढ़
ग. योगरूढ़
घ. रूढ़
ङ. योगरूढ़
च. यौगिक

6.

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
घर	प्रयोगशाला	लंबोदर
कुरसी	मुख्य मंत्री	पीतांबर
जल	चिड़ियाघर	जलज
कलम	राजमहल	दशानन
बाल	पुस्तकालय	चारपाई

PAGE:
DATE: / /

संधि

P. No. 30

2.
क. संधि - विच्छेद
ख. स्वर संधि
ग. दीर्घ

3.
क. सदा + एव - वृद्धि
ख. महा + आशय - दीर्घ
ग. ने + अक - अयादि
घ. राज + इंद्र - गुण
ङ. परि + अटन - यण

4.

दीर्घ	गुण	वृद्धि	यण	अयादि
देवालय	महेश	सदैव	यद्यपि	नायक
हिमालय	गजेंद्र	परमौषधि	प्रत्यक्ष	चयन
नदीश	गणेश	जलौघ	व्यर्थ	पावक
वेदांत	सप्तर्षि	धनैश्वर्य	प्रत्याशा	भवन

P. No. 35

6. क. सत् + भावना
ख. जगत् + नाथ
ग. सम् + कल्प
घ. निः + रोग
ख. उत् + लास
घ. परि + नाम
च. अहम् + कार
ज. दिक् + अंत

PAGE:
DATE: / /

7. क. संतोष
ख. षडानन
ग. सन्मार्ग
घ. संसार
ङ. किंचित
च. मनोरथ
छ. निस्संतान
ज. उच्छ्वास